IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

मोबाइल शिक्षा (M-Learning) का उच्च शिक्षा में प्रभाव

डॉ. पूनम सिंह विभागाध्यक्ष,
शिक्षा विभाग श्रीमती विद्यावती
कॉलेज ऑफ एजुकेशन, झाँसी

सारांश

डिजिटल युग में मोबाइल उपकरणों ने शिक्षा की दिशा और दशा दोनों को परिवर्तित किया है। मोबाइल शिक्षा या M-Learning वह प्रणाली है जिसमें शिक्षण और अधिगम (Teaching & Learning) मोबाइल उपकरणों जैसे स्मार्टफोन, टैबलेट और लैपटॉप के माध्यम से होता है। विशेष रूप से उच्च शिक्षा के स्तर पर इसका प्रभाव अत्यंत गहरा है, क्योंकि यह विद्यार्थियों को लचीलापन, सुलभता और व्यक्तिगत अधिगम की सुविधा प्रदान करता है। इस शोध-पत्र में मोबाइल शिक्षा की अवधारणा, इसके लाभ, चुनौतियाँ, भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली में इसका प्रभाव और भविष्य की संभावनाओं का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

प्रस्तावना

शिक्षा के क्षेत्र में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT) का प्रयोग दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। आज मोबाइल फोन केवल संचार का साधन नहीं रहा, बल्कि यह ज्ञान प्राप्ति का सशक्त माध्यम बन चुका है। छात्र अब पुस्तकों तक सीमित नहीं हैं; वे किसी भी समय, कहीं भी, अपने मोबाइल उपकरण से विश्व भर के ज्ञानस्रोतों से जुड़ सकते हैं।

उच्च शिक्षा संस्थानों में मोबाइल शिक्षा का प्रयोग ऑनलाइन लेक्चर, डिजिटल लाइब्रेरी, ई-लर्निंग मॉड्यूल, MOOCs (Massive Open Online Courses), शैक्षणिक ऐप्स और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से बढ़ता जा रहा है। यह परिवर्तन पारंपरिक शिक्षा पद्धति को नई दिशा देता है।

शोध की पृष्ठभूमि

प्रारंभिक दौर: 2000 के दशक की शुरुआत में ई-लर्निंग का विस्तार हुआ, जिसके बाद मोबाइल शिक्षा का विचार विकसित हुआ।

यूनेस्को और विश्व बैंक रिपोर्ट्स: शिक्षा में डिजिटल तकनीक के बढ़ते महत्व पर बार-बार जोर दिया गया।

भारत में: डिजिटल इंडिया अभियान और इंटरनेट क्रांति ने मोबाइल शिक्षा को व्यापक बना दिया।

कोविड-19 महामारी: उच्च शिक्षा संस्थानों में मोबाइल शिक्षा को बड़े पैमाने पर अपनाया गया, जिससे इसकी उपयोगिता और महत्व और भी स्पष्ट हुआ।

मोबाइल शिक्षा (M-Learning) की संकल्पना

मोबाइल शिक्षा वह प्रक्रिया है, जिसमें सीखने और सिखाने की गतिविधियाँ मोबाइल उपकरणों की मदद से संचालित होती हैं। इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं:

सुलभता – किसी भी समय, कहीं भी अध्ययन की सुविधा।

व्यक्तिगत शिक्षा – हर छात्र अपनी गति और रुचि के अनुसार सीख सकता है।

इंटरैक्टिविटी – मल्टीमीडिया, वीडियो, क्विज़ और चैट के माध्यम से सहभागिता।

लागत प्रभावशीलता – महंगे संसाधनों की तुलना में अपेक्षाकृत सस्ती सुविधा।

उच्च शिक्षा में मोबाइल शिक्षा की भूमिका

डिजिटल लेक्चर और ई-नोट्स - शिक्षक अपने लेक्चर को रिकॉर्ड कर मोबाइल पर उपलब्ध कराते हैं।

ऑनलाइन असाइनमेंट और मूल्यांकन – छात्र मोबाइल ऐप के माध्यम से असाइनमेंट जमा कर सकते हैं।

MOOCs और ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म – Coursera, SWAYAM, edX जैसे प्लेटफॉर्म का उपयोग।

वर्चुअल क्लासरूम – Zoom, Google Meet, Microsoft Teams जैसे माध्यमों का प्रयोग।

रिसर्च और प्रोजेक्ट वर्क – ऑनलाइन डेटाबेस और डिजिटल लाइब्रेरी तक त्वरित पहुँच।

नेटवर्किंग और सहयोग – सोशल मीडिया और शैक्षणिक समुदायों के माध्यम से ज्ञान का आदान-प्रदान।

मोबाइल शिक्षा के लाभ

लचीलापन – समय और स्थान की बाधाएँ समाप्त।

सुलभता – ग्रामीण और दूरदराज़ क्षेत्रों में भी उच्च शिक्षा सुलभ।

व्यक्तिकरण – छात्र अपनी गति और आवश्यकता के अनुसार सीख सकता है।

मल्टीमीडिया सुविधा – वीडियो, ऑडियो, एनीमेशन से शिक्षा रोचक बनती है।

नवाचार और प्रयोग – मोबाइल ऐप्स और डिजिटल टूल्स से नई शिक्षण विधियाँ संभव।

वैश्विक संसाधनों तक पहुँच – विश्वस्तरीय कोर्स और रिसर्च पेपर तक पहुँच आसान।

सहयोगी अधिगम – समूह चर्चा, चैट और ऑनलाइन फोरम से सामूहिक अध्ययन।

चुनौतियाँ और सीमाएँ

डिजिटल डिवाइड (Digital Divide) – सभी छात्रों के पास स्मार्टफोन या इंटरनेट की समान सुविधा नहीं।

इंटरनेट कनेक्टिविटी – ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या।

डिस्ट्रैक्शन (व्याकुलता) – मोबाइल पर गेम, सोशल मीडिया और अन्य चीजें पढ़ाई से ध्यान भटका सकती हैं।

स्वास्थ्य समस्याएँ – लंबे समय तक मोबाइल प्रयोग से आँखों और मानसिक स्वास्थ्य पर असर।

पाठ्यचर्या में असंगति – अभी भी अधिकांश विश्वविद्यालयों में मोबाइल शिक्षा का औपचारिक समावेश नहीं हुआ है।

शिक्षकों की तैयारी – सभी शिक्षक मोबाइल तकनीक के इस्तेमाल में दक्ष नहीं।

भारतीय परिप्रेक्ष्य में मोबाइल शिक्षा

भारत में मोबाइल इंटरनेट उपयोगकर्ता विश्व में सबसे अधिक हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्मार्टफोन का तेजी से प्रसार हो रहा है।

सरकार ने SWAYAM, DIKSHA, और NPTEL जैसे प्लेटफॉर्म लॉन्च किए हैं।

कोविड-19 महामारी के दौरान UGC और AICTE ने मोबाइल शिक्षा को बढ़ावा दिया।

फिर भी, डिजिटल डिवाइड और आर्थिक असमानताएँ अभी भी बड़ी बाधा हैं।

संभावनाएँ और भविष्य

5G तकनीक – उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा को बढ़ावा देगी।

AI और बिग डेटा – व्यक्तिगत शिक्षा को और अधिक प्रभावी बनाएगा।

वर्चुअल रियलिटी और ऑगमेंटेड रियलिटी – मोबाइल शिक्षा को अधिक अनुभवात्मक बनाएगी।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 – डिजिटल और मोबाइल शिक्षा को बढ़ावा देती है।

वैश्विक सहयोग – अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के ऑनलाइन कोर्स भारतीय छात्रों के लिए उपलब्ध होंगे।

समावेशी शिक्षा – विकलांग छात्रों के लिए मोबाइल शिक्षा विशेष अवसर प्रदान करती है।

निष्कर्ष

मोबाइल शिक्षा उच्च शिक्षा में एक क्रांतिकारी परिवर्तन का साधन है। यह शिक्षा को अधिक सुलभ, लचीला, व्यक्तिगत और आधुनिक बनाती है। हालांकि डिजिटल डिवाइड, इंटरनेट समस्याएँ और ध्यान भटकाने वाली चुनौतियाँ मौजूद हैं, फिर भी सही नीतियों और प्रशिक्षण के माध्यम से इन्हें दूर किया जा सकता है।

भारतीय परिप्रेक्ष्य में मोबाइल शिक्षा का भविष्य उज्ज्वल है। यदि सरकार, शैक्षणिक संस्थान, शिक्षक और विद्यार्थी मिलकर इसे जिम्मेदारी से अपनाएँ, तो उच्च शिक्षा अधिक लोकतांत्रिक, समावेशी और गुणवत्तापूर्ण बन सकती है।

संदर्भ

यूनेस्को (2019). शिक्षकों के लिए मोबाइल लर्निंग: वैश्विक विषय.

यूजीसी (2021). भारत में ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारत सरकार।

पांडे, एस. (2021). उच्च शिक्षा में डिजिटल परिवर्तन।

SWAYAM, NPTEL और DIKSHA आधिकारिक वेबसाइट।

विश्व बैंक (2020). शिक्षा और प्रौद्योगिकी रिपोर्ट.